भाग अ - परिचय						
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	Section 2	वर्षः प्रथमवर्ष	सत्र:2021-22			
पाठ्यक्रम का कोड	VI-COM-FINT					
पाठ्यक्रम का शीर्षक	वित्तीय सेवाएं और बीमा					
पाठ्यक्रम का प्रकार :	व्यावसायिक					
पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	सभी संकाय के विद्यार्थियों हेतु					
पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम)(CLO)	इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के बाद छात्र सक्षम हो सकेंगे; (1) बैंकिंग और बीमा सेवाओं के कार्यों को समझने में (2) विभिन्न वित्तीय सेवाओं जैसे बैंकिंग, निवेश सलाहकार, धन प्रबंधन, म्यूचुअल फंड, बीमा परामर्श, स्टॉक मार्केट, पूंजी पुनर्गठन, पोर्टफोलियो प्रबंधन आदि को समझने में (3) बैंकिंग और बीमा के कानूनी और नियामक पहलुओं के बारे में ज्ञान बढ़गा (4) वित्तीय डेरिवेटिव के बारे में जागरूक होंगे (5) वित्तीय एवं बीमा सेवाओं के क्षेत्र में कार्य करने हेतु आवश्यक कौशल विकास में					
अपेक्षित रोजगार / करियर के अवसर	वित्तीय सलाहकार					
क्रेडिट मान		4				

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यानों की कुल संख्या + प्रैक्टिकल (प्रति सप्ताह घंटों में): व्याख्यान -1 घंटा / प्रैक्टिकल अवधि -1प्रायोगिक घंटा

व्याख्यान/प्रैक्टिकल की कुल संख्या : L-30hrs/P-30hrs

मॉड्यूल	विषय	घंटे
I	वित्तीय सेवाओं का अवलोकन अर्थ, महत्व और वित्तीय सेवाओं का क्षेत्र, भारतीय वित्तीय प्रणाली, वित्तीय संस्थानों का संक्षिप्त अध्ययन - आरबीआई, वाणिज्यिक और सहकारी बैंक, गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थान, विकास बैंक, मर्चेंट बैंक, म्यूचुअल फंड की मूल बातें, क्रेडिट रेटिंग, सूक्ष्म वित्त का एक सिंहावलोकन।	8
II.	वित्तीय बाजार भारत में मुद्रा बाजार: महत्व, विशेषताएं और उपकरण, भारत में मुद्रा बाजार को मजबूत करने के उपाय, मुद्रा बाजार पर कार्य समूह की सिफारिशें। भारत में पूंजी बाजार: नया निर्गम बाजार और स्टॉक एक्सचेंज, स्टॉक एक्सचेंजों का महत्व, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की भूमिका, म्यूचुअल फंड का अर्थ और वर्गीकरण, फंड का संचालन, शुद्ध संपत्ति मूल्य और भारत में म्यूचुअल फंड का विनियमन। वित्तीय साधन: नकद, व्युत्पन्न, विदेशी मुद्रा, ऋण आधारित और इक्विटी आधारित वित्तीय साधन।	12
III	बीमा के सिद्धांत और व्यवहार बीमा की अवधारणा, सिद्धांत और प्रकार- जीवन बीमा, सूक्ष्म बीमा, वार्षिकियां, स्वास्थ्य बीमा, सामान्य बीमा, मोटर बीमा, समुद्री बीमा, संपत्ति बीमा और अन्य विविध बीमा, जोखिम की अवधारणा और जोखिमों का वर्गीकरण, बीमा दस्तावेज, ऑनलाइन बीमा, दावे और निपटान की प्रक्रिया, पॉलिसी के नियम और शर्तें, बीमा के कानूनी और नियामक पहलू (IRDA)।	10
	प्रायोगिक पाठ्यक्रम	
	(1) ऑनलाइन बैंक खाता खोलने, ई-बैंकिंग संचालन और यूपीआई हस्तांतरण / भुगतान का अभ्यास करें। (2) एक काल्पनिक बीमा दावे के दस्तावेज तैयार करें। (3) विभिन्न वित्तीय कार्यों के बारे में चार्ट और मॉडल द्वारा प्रस्तुति। (4) एक बीमा एजेंट, म्यूचुअल फंड सलाहकार, स्टॉक ब्रोकर, निवेश सलाहकार और पोर्टफोलियो प्रबंधक आदि की भूमिका निभाएं।	30

भाग स-अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

(1) आर.के. मिश्रा, आई एस यादव, ए पी कुमार, एस पी मिश्रा, जे किरणमाई, "बैंकिंग, बीमा और वित्तीय सेवाओं में जोखिम प्रबंधन", 2014, अकादमिक फाउंडेशन।

(२) आर। गॉर्डन और नटराजन, "वित्तीय सेवाओं का भविष्य परिदृश्य", हिमालय प्रकाशन

(३) सत्यदेवी, सी, वित्तीय सेवा बैंकिंग और बीमा, एस चंद

(4) कुंजुकुंजू, बेन्सन, मोहनन, एस, "वित्तीय बाजार और भारत में वित्तीय सेवाएं", न्यू सेंचुरी प्रकाशन

(५) धनेश कुमार खत्री, "डेरिवेटिव्स एंड रिस्क मैनेजमेंट", मैकमिलन

(६) खान, एम वाई (२००५) वित्तीय सेवाएं, नई दिल्ली: टाटा मैकग्रा हिल एजुकेशन

(७) माचिराजू, एच.आर. (२०१०) भारतीय वित्तीय प्रणाली नई दिल्ली: विकास पब्लिशिंग हाउस

(८) अग्रवाल, ओ.पी. (२०११) बैंकिंग और बीमा, नई दिल्ली: हिमालय प्रकाशन अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1 https://hi.wikipedia.org > wiki >

2 https://www.nsdcindia.org/scmp/assets/image/1469030572-DRA Hindi Kaushal.pdf

(PROF.PAVAN MISHRA)

Chairman
Central Board of Studies (Commerce)

Part A Introduction							
Program: Certificate			Year: First Year	Session:2021-22			
		是有多数					
Course Code	V1-COM-FINT						
Course Title	FINANCIAL SERVICES AND INSURANCE						
Course Type	Vocational						
Pre-requisite (if any)	Open for All						
Course Learning outcomes (CLO)	After studying this Course, the Student will be able to; 1. Understand the functions of Banking and Insurance services. 2. Know about and able to perform various financial services such as Banking, Investment Advisory, Wealth Management, Mutual Funds, Insurance Consultancy, Stock Market, Capital Restructuring, Portfolio Management etc. 3. Enhances knowledge about the legal and regulatory aspects of Banking & Insurance. 4. Aware about the financial derivatives. 5. Develop skills to work in financial and insurance services.						
Expected Job Role / career opportunities			Financial Consult	tant			
Credit Value			4				

Part B- Content of the Course

Total No. of Lectures + Practical (in hours per week): L-1Hr / P-1 Lab Hr

Total No. of Lectures/ Practical: L-30hrs/P-30hrs

Modul e	Topics	No. of Hours	
Ι	Overview of Financial Services Meaning, Importance and Scope of financial services, Indian financial system, Brief Study of Financial Institutions – RBI, Commercial and Co- Operative Banks, Nonbanking financial institutions, Development Bank, Merchant Bank, Basics of Mutual Funds, Credit Rating, An overview of micro finance.	8	
II	Financial Markets Money Market in India: Importance, features and instruments, Measures to strengthen money market in India, Recommendations of the working group on money market. Capital Markets in India: New issue market and stock exchange, Importance of stock exchanges, Role of The Securities and Exchange Board of India (SEBI), Meaning and Classification of Mutual Funds, Operation of the Funds, Net Asset Value, and Regulation of Mutual Funds in India. Financial Instruments: Cash, Derivative, Foreign Exchange, Debt based and Equity based financial instruments.	12	
III .	Principles and Practices of Insurance Concept, Principles & Types of Insurance-Life Insurance, Micro Insurance, Annuities, Health Insurance, General Insurance, Motor Insurance, Marine Insurance, Property Insurance and Other Miscellaneous Insurance, The Concept of Risk and Classification of Risks, Insurance Documents, Online Insurance, Process of claim and settlement, Policy Terms and Conditions, Legal and Regulatory Aspects of Insurance(IRDA).	10	
	Practical		
	 (1) Practice online bank account opening, e-banking operations, and UPI transfers / payments. (2) Prepare the documents of a hypothetical insurance claim. (3) Visit to banks and insurance companies to observe the functioning. (4) Presentation by charts and models about various financial functions. (5) Role plays of an Insurance Agent, Mutual Fund Consultant, Stock Broker, Investment 	30	

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

- (1) R.K. Mishra, I S Yadav, A. P Kumar, S P Mishra, J. Kiranmai, "Risk Management in Banking, Insurance and Financial Services", 2014, Academic Foundation.
- (2) R. Gordan & Natarajan, "Future scenario of Financial services", Himalaya Publication
- (3) Satyadevi, C., Financial Services Banking and Insurance, S.Chand
- (4) Kunjukunju, Benson, Mohanan, S, "Financial Markets and Financial Services In India", New Century Publication
- (5) Dhanesh Kumar Khatri, "Derivatives and Risk Management", Macmillan
- (6) Khan, M. Y. Financial Services. New Delhi: Tata McGraw Hill Education. (2005)
- (7) Machiraju, H. R. Indian Financial System. New Delhi: Vikas Publishing House (2010).
- (8) Agarwal, O. P. Banking and Insurance. New Delhi: Himalaya Publishing (2011).

Suggestive digital platforms web links

- 1 <u>https://ves.ac.in/tulsitech/wp-content/uploads/sites/16/2017/05/Banking Financial Services and Insurance.pdf</u>
- 2 https://www.aicte-india.org/sites/default/files/bvoc/BFSI.pdf
- 3 https://nsdcindia.org/sites/default/files/Banking-Financial-Services-Insurance.pdf
- 4 https://sgp.fas.org/crs/misc/IF10043.pdf
- 5 http://jmpcollege.org/downloads/BASICS OF FINANCIAL SERVICES 1.pdf

Josis to 54 (Dr. PAVAN MISHRA)

(PROF.PAVAN MISHRA)
Chairman
Central Board of Studies (Commerce)